

**असीर** पुं. (फा.) कैदी, बंदी।

**असील** वि. (अर. असल) 1. कुलीन वंश का, शुद्ध रक्त धारी सदस्य 2. शरीफ, नेक।

**असीस** स्त्री. (तद्.) किसी पूज्य या बड़े व्यक्ति द्वारा दिया गया आशीर्वाद, दुआ, आशीष।

**असीसना** स.क्रि. (तद्.) आशीर्वाद (आशीष) देना, दुआ देना।

**असुंदर** वि. (तत्.) जो सुंदर न हो, भद्दा, कुरूप विलो. सुंदर।

**असु** पुं. (तत्.) 1. प्राण 2. प्राणवायु जो साँस के साथ अंदर जाती है 3. जीवन 4. समय की एक प्राचीन इकाई।

**असुख** पुं. (तत्.) 1. सुख न होने का भाव 2. दुःख, कष्ट 3. शोक वि. 1. दुःख या शोक देने वाला, असुखकर 2. कष्टसाध्य, कठिनाई से होने वाला, असरल।

**असुमोचक** वि. (तत्.) 1. प्राण ले लेने वाला, प्राणहारी, प्राणघातक 2. अत्यंत कष्टप्रद।

**असुर** पुं. (तत्.) 1. दैत्य (जो सुर न हो) दैत्य, राक्षस 2. नीच प्रवृत्ति का व्यक्ति 3. सूर्य 4. बादल 5. राहु विलो. सुर

**असुरक्षित** वि. (तत्.) जो सुरक्षित न हो, जिसकी रक्षा न की गई हो, असंरक्षित, अरक्षित, अनारक्षित। विलो. सुरक्षित।

**असुरक्षित-यौन-संबंध** पुं. (तत्.) आयु. परिवार नियोजन या स्वास्थ्य-रक्षा-संबंधी अनुदेशों का अनुसरण न करते हुए यौन-संबंध स्थापित करने की क्रिया जिससे स्त्री को अनचाहा गर्भ ठहर सकता है या स्त्री या पुरुष या दोनों को यौन-रोगों का संक्रमण हो सकता है।

**असुरगुरु** पुं. (तत्.) दैत्यगुरु शुक्राचार्य, असुराचार्य।

**असुरराज** पुं. (तत्.) असुरों का राजा, प्रह्लाद के पौत्र राजा बलि की उपाधि।

**असुरसूदन** पुं. (तत्.) असुरों का नाश करने वाला विष्णु, इंद्र, अग्नि।

**असुरसेन** पुं. (तत्.) गय नामक एक राक्षस जिसके शरीर पर गया नगरी के बसने का उल्लेख है।

**असुरा** स्त्री. (तत्.) 1. रात्रि 2. आकाशमंडल की एक राशि 3. वेश्या।

**असुराई** स्त्री. (तत्.) 1. असुरों जैसा व्यवहार, असुरत्व, 2. निर्दयता 3. क्रूरता 4. दुष्टता।

**असुराचार्य** पुं. (तत्.) 1. दैत्य गुरु 2. शुक्राचार्य, शुक्र ग्रह।

**असुराधिप** [असुर अधिप] पुं. (तत्.) असुरराज, दैत्याधिपति, राजा बलि।

**असुरापी** वि. (तत्.) 1. शराब न पीने वाला 2. शराब न पिया हुआ।

**असुरारि** [असुर अरि] पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. इंद्र 3. देवता पर्या. असुर सूदन।

**असुरी** स्त्री. (तत्.) 1. आसुरी, राक्षसी, अमानवी 2. काली राई।

**असुर्य** वि. (तत्.) असुरों से संबंधित, असुरों का।

**असुविधा** स्त्री. (तद्.) 1. सुविधा न होना 2. अड़चन 3. कठिनाई, दिक्कत विलो. सुविधा।

**असुहर** वि. (तत्.) दे. असुमोचक।

**असूझ** वि. (तद्.) 1. जो समझ में न आए, जिसके आर-पार न सूझे, दुर्बोध 2. अंधकारमय 2. अबोध।

**असूत** वि. (तत्.) (वह भूमि) जहाँ घास ही पैदा नहीं होती, ऊसर, बंजर स्त्री. बंध्या, बाँझ वि. (तद्.) 1. विपरीत, विरुद्ध 2. असंबद्ध, अखरात।

**असूति** वि. (तत्.) 1. भूमि के बंजर होने का भाव 2. बाँझपन 3. बाधा, अड़चन।

**असूतिका** स्त्री. (तत्.) जिसके संतान न पैदा हुई हो, वंध्या।

**असूत्र** वि. (तत्.) 1. जिसका कोई सुराग न मिले 2. सूत्ररहित।